

ASHA ARCHIVES

3326

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ASHA ARCHIVES

3326

श्री रामकृष्ण

कावगतां दंवी श्रीकृष्णकान्तमास्यहं ०० ॥ ॥ वंतावू ॥ आ ३ ८ ॥
उवावाहीमहिषावूरां धावागिधोवकि का। मीनाकविन्दू मूजा
वकासवूयीनमासुत ०० ॥ ११ ॥ ॥ वूग ॥ आ ३ ८ ॥ ॥ उं ॥ ऊं ॥ कावस
हवंतार्थकवूगमृद्विमानसं। ममाद्यवासनामानं लोकनार्थं न
मास्यहं ०० ॥ १२ ॥ ॥ स्वउकोउ ॥ ॐ नित्यनन्दपनं गनं निस्र
नं वनिनात्मकं। व्यामातामं पनं शुन्यं तेन वतं नमास्यहं ०० ॥ १३ ॥
थं थं ॥ आ ३ ८ ॥ ॐ ॥ आदिगकि महामाया युक्त निविश्वमेहि

नी ॥ सिद्धिलक्ष्मीस्वयं नमहात्मास्वमागता ०० ॥ १४ ॥ ॥ काथ
॥ आ ३ ८ ॥ ॐ ॥ कोमानी मयूरावूरावका मीनकावासनी। गक
कविन्दू मूजावगुर्कन्वनीनमासुत ०० ॥ १५ ॥ ॥ लीम ॥ आ ३ ८
॥ ॐ नमस्ते लीमसंतायदृष्टकीवकमालिनी। यथाममलयागा
यडिलुनागिनिनिवासिनी ०० ॥ १६ ॥ ॥ यंवातं ॥ आ ३ ८ ॥
॥ गिवगकिस्वयं पायवायि ॥ ॐ ॥ विग्वयि ॥ ॐ ॥ सर्वदृष्टपुष्प

मोदोनमस्तुतस्वामिने ०० ॥ ११ ॥ ॥ गलम ॥ आ ३ घृ १ ॥
ॐ विष्णवे नमो यवीनाय विष्णवे नमः । सर्वविघ्नप्रणामन
सर्वभक्ति करं गुरुं ०० ॥ १८ ॥ ॥ नानायल ॥ आ ३ घृ १ ॥
॥ ॐ यस्य हस्तं गजं चक्रं गजं आयस्य वाहनं । समकनो दुकल्य
नैपदनाहो जनार्दनं ०० ॥ १९ ॥ ॥ गिव ॥ आ ३ घृ १ ॥ ॐ न
मः मिवायं भक्त्याय कारलयय हस्तं । निवदयामि वात्मानं
गतिः पत्रमेतः ०० ॥ २० ॥ ॥ सूत्रधियापी ० ॥ मूर्तं आ ३ घृ

नमः १ ॥ ॐ कोमालीवाल नूपी विकचनवडवा पुष्पवर्धुं मूरकां सि
दूत्रैः नक्तवमुः कनकमणिमयारुषितां हानमाला । विष्णुर्वाका
मदाजीवनदवत्रकनाहीति हस्तं नमः । तौयुक्ता किङ्किनीया
कमलवत्रमतां घृष्टा युक्ता ॥ २१ ॥ ॥ ज्ञानधन
॥ गवतं प्रवी ॥ मूर्तं आ ३ घृ १ ॥ ॐ क ॥ सुगुणवभुवत्रदवन
कनाहीति हस्तं पुसिद्धाः सिद्धूत्रैः नक्तवमुः मित्रसि पत्रिकला

पुर्ववत्सर्वरूषी। सर्वेषां कामदात्री प्रकृतमभि मया वाह्यं त्रात्री भवनी
मातां देवीं नोमि निरुहं वरुणं रुद्रं। हे प्रवीं स्तनपूर्वा स्त्राहा ॥
२२ ॥ ॥ चिधुवन्मय ॥ मूआ ३ घृ पू ॥ ॐ गमनू मती शु ति निरा ग
नू ग स न रुका मू हि न पं क ज मू रवी न व यो व ना या। मं रवा सि व कु ग
ज या छि त वा नू रु मां ग्रा वे मू वी म न नै ता स्मि स दा पु स न्ना ॥ २३
॥ ॥ तलं क मूल ॥ मूआ ३ घृ पू ॥ ॐ य म्म ल्हा न ड सि धि ति न य

तत्रे दे ती भा र्ग सि न्दू र रूषी सि न्दू रा म्मी पु स न्ना पु मू दि त व द ना सु
दनी ला त्य ना हा। हा ग लं का न रूषी मभि मय ख यि ता व न्द ह मा व
ना ही का वि द्म ता सि रु टा कि नु व न ज न ती नो मि तां वि म्भ ना ह्मी
॥ २४ ॥ ॥ आ य यि मूल ॥ मूआ ३ घृ पू ॥ ॐ कू व ल य द ल व डी रु
षि ता हा न न ल्हे व्त्रे द म रु म्मी म वि लु ती ता क या ना। म धू त्रि पू व
नि ता सा या यि ती वि म्भ म न व न तु ह न सि धि ई ड म म्भा वि न ना ॥ ॥

॥२३॥ ॥ वंथलिकोमात्री ॥ मूआ ३ छू पू ॥ उं अन्नलजलनाजी काः
टिमार्कलुगेजाः कवकलिनवनाही निमायून सन स्को । शिवमः
खिलजनं मावुम्लः मकिनाद्या नूचिववसनवले मूनिताव
यदया ०० ॥ २४ ॥ ॥ नाग्यदनाग्य ॥ मूआ ३ छू पू ॥ उं हंश्व नू
कन्दकमूद हूटिकावदार्तं कार्ककिरीट मूकुटाङ्गल (महमा
नं । नागवरी कनरुषयप्रमामूहि नागधियं वनूचनोज महं

नमामि ०० ॥ २५ ॥ * ॥ वंथखाहसुन ॥ मूआ ३ छू पू ॥ उं लं दवीषय
पुकारावरुगुलनिलवर्ष नाघात्रनूया सिद्धवसायमे चकमसपनिहना
नीववाभिसु नोडीरमोषीवानूपायगुजनहयकन्दनुनातञ्च दहिः
सादवीकृष्टिकाख्यापुलमूतसतर्त नीवव (नेसु नोडी ह्वा हा ॥ ७ ॥ २६
॥ ॥ नाग ॥ मूआ ३ छू पू ॥ उं नागपाभस्मकानिहं जलनाजामहा
बल निमभ्यनिविख्यातो नागनाजाय भेन म ०० ॥ २७ ॥ ॥ मू

ग म ॥ आ ३ पु ॥ ॐ ह्यामात्रका ॥ ३० ॥ ॥ थवपी ० वेष्मवी ॥ आ ३
पू ॥ ॐ वेष्मवी तार्कमात्रा ह त्रिणा श्री ह त्रिवा स नी । गता क वि
दू मूजाव वेष्मवी व न मा मु न ०० ॥ ३१ ॥ ॥ सकल स ॥ आ ३ पु
पू ॥ ॐ ॐ सु द व न मा मु र्ग । कल द व न मा न म ॥ स्का न द व ग हा स
वै पूजा गे दू न मा मु न ०० ॥ ३२ ॥ ॥ ति ज द व या द म्भ पा ति
रु ना ॥ ० ॥ ॥ व क नि कू डी रा जा या व ना य क्का र्द न या द म्भ

पा ति ॥ व क नि कू वि ना य ॥ आ ३ पु ॥ ॐ ह न र्मं य त्र स द वं का
र्य सि धि वि ना य क । सो हा ग्ध नू य र्ग य न् । द हि म्भ स र्व स प द ००
॥ १ ॥ ॥ रू ति नी ता रु स ॥ आ ३ पु ॥ ॐ स र्व रू ता म हा नू या
स र्व रू ता म हा क ला । स र्व रू ता सि ता सी स्या स र्व रू ता म ना कू ता
०० ॥ २ ॥ ॥ य पू र न नू ना य ॥ आ ३ पु ॥ ॐ ग न य ति ह न
र्य वि घ्ना क वि ना य क । द वी पू र म हा त ॐ म हा व ल प ना कू म

०० ॥ ३ ॥ ॥ मिश्रवना नायन ॥ आ३ घृ. पू ॥ उं न फ हात क कं अ ग
 कृत त्याव कला चतः । वरु म त न ख स्ये न दि य सिं ह न मो मु न ०० ॥
 ४ ॥ ॥ यो वा हा ॥ आ३ घृ. पू ॥ उं जि न न्दि म समा धि स्तु पा नु जी व न रु
 धि तः । व न दा ह य पा नि श्च स्त न धा न न र तः स दा ०० ॥ ५ ॥ ॥ पु
 श्चि त्रि रु न व ॥ आ३ घृ. पू ॥ उं च ना स्य न य रं म तः शु द्ध म ह्य न ति म
 लं । रु न य न ज ग त्स र्वं र वं न न मा स्य हं ०० ॥ ६ ॥ ॥ न व द व न श्च य

॥ आ३ घृ. पू ॥ उं नु ॥ उ व रु म प शु व क्रा द म दा द्धु धा नि धी ॥ स हा रे न व
 मा पू रा वि च नु ग ति नि म ति ०० ॥ ७ ॥ ॥ क रु न सि क ॥ आ३ घृ. पू ॥
 उं ॥ ना नु व रं म ह म तै य का य क स वृ पि र् । स न म र्म म ना क्रा दं । ह ज । मि
 ग त तं श्र वं स्त हा ॥ ८ ॥ ॥ गु वा हा ॥ आ३ घृ. पू ॥ उं यो व नू य म ल
 ना वं स र्वं म रु ये र्के व नी । ह के स्या व न द द वी गु हि मां म न ज ग नं ०
 ० ॥ ९ ॥ ॥ ल्य उं को उं नू उ ॥ आ३ घृ. पू ॥ उं ह रु स जी व रु नी न म र्म

२६ व व न्या २

[illegible]

वसुस्र (म) हिता । गजवक्रयमा देवी । वेसूवीरुनम । सुमं स्था ।
 हा ॥ १२ ॥ ॥ रुगवति ॥ आ ३ घृ पू ॥ उं जयनी ममला काती र
 इकाली कया लिनी । इर्मा कमा मिवा क्षणी । स्वाहा स्वधा नमो भु न
 ०० ॥ १३ ॥ ॥ सावूग ॥ आ ३ घृ पू ॥ उं वभूक पूष्य सर्व कामं नानो न
 त्र विरुचिर्न । सा के भव न दा त्मानं सा क नार्थ न मा म्य हं ०० ॥ १४
 ॥ ॥ ध्यान ग (म) ॥ आ ३ घृ ॥ उं विनायको विघ्न नाश मां क काम
 रु स्रयदा । कार्य सिद्धि हवै रु स्य पुन मा मि विनायक ॥ १५ ॥ ॥

[illegible]

॥ श्री सावित्री सिद्धिदाताय नमः ॥ वायुवंधु ॥ १९ ॥ ॥ मान
न्यत्र ॥ श्री ३ च ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
नाथाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ २० ॥ ॥ कल
क ॥ श्री ३ च ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
कहि गुरुपात्रं श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ २१ ॥ ॥ ह
श्री ३ च ॥ ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

— ५८ हरसिद्धि मा देशापात्रि

3326

ASHA ARCHIVES



पाता स यस्मिन्नाहनाः हनिनी भक्ति संयुताः ०० ॥ २२ ॥ ॥ ममि
कमान ॥ आ ३ घृ पू ॥ उं नमस्तु कमानाय स्कन्दाय भक्ति धननि ॥
॥ वासाय सिखि नू राय शलाघिय नय नमः ०० ॥ ३ ॥ ॥ यो गव २३
॥ ॥ ममि कमान ॥ आ ३ घृ पू ॥ उं नमस्तु नक्ताय सहस्र मूर्ति यम
रुद्र पादा किमिरा नू वाहव ॥ सहस्रनामं यनू पाय ॥ ममि कमान ॥ स
हस्र काटि यम धन वि ॥ नमः ०० ॥ २४ ॥ ॥ ममि कमान ॥

गं ॥ आ ३ घृ पू ॥ उं नमस्तु भक्ति सहस्रनामं दिव्य स्नान प्रकाशिनी ॥ अक
र्षा न गतां देवीं श्री कृदि कान्त मा म्हा ०० ॥ २५ ॥ ॥ नमः सिद्ध
॥ आ ३ घृ पू ॥ उं कृतार्थं नाना सिद्धं प्रकटित वद नैव कुल न जाधवा ॥
निजा हि १ प्र कृतं तं कृत वद सहस्रं ॥ इति श्री कृष्ण नन्द ॥ निहि नाय
मग नुं जग दहित मसी दान वन्दु हिन ॥ मयं वाहु स्वयं वेति
उव नन मित ॥ सिद्ध नू यत विष्णु ०० ॥ २६ ॥ ॥ नाट ध्वन ॥ आ ३ घृ

पू ॥ उँ नमस्तु नृत्तनाथाय नन्दिविबुधनाय च । नृसिद्धिपदात्ताय नमः ।
 हा गधर्तुहि देहि मे ०० ॥ २१ ॥ ॥ दधुलाकि गले म ॥ आ ३ छ पू ॥ उँ
 कुर्वे सन्निभ्यस्तु नमः ॥ स्नासि विनायकं । नमो मुग्धनूपाय नमः
 नायक्यतम ०० ॥ २२ ॥ ॥ अलिमल्लक गव ॥ आ ३ छ पू ॥ उँ नमो क
 नत्प्रतिष्ठाया गतिन्दाय नमः । नमो मुग्धनाय नमः ॥ स्वस्ति ॥ ग
 इ वायव ०० ॥ २३ ॥ ॥ धर्तुं गव ॥ आ ३ छ पू ॥ उँ निर्वन्निवत्तने ॥

नमिवात्मानं मिथारु मी । निवमंकप नैतान्न पुणमासि सदा मिर्वे ०० ॥ ३० ॥
 ॥ ✕ ॥ नमिसा वा ॥ आ ३ हृ पू ॥ उँ वक्र विष्णु महंगा य स विष्णु सन्मुख
 पठ । मलयनागना जाय अरू नू पाय तेन मे १०० ॥ ३१ ॥ ॥ पञ्च
 यल ॥ आ १ हृ पू ॥ उँ ल गंग गावेहंगं गोत्री दिन प्र दीपकं । यश्च य
 ल सद्देवन्द्रे भुक्ति मुक्ति रूलप्रदं ०० ॥ ३२ ॥ ॥ भक्त नाना ना ॥
 आ २ हृ पू ॥ उँ श्री तो भव कपा स ह्य स च धनी माला हिमाला धनी

देवीद्वानवनीभूषणननिलयोनागत्रिणवाहनो । द्विशुक्रोवसिदक्रयक्र
मथनो ग्रा (मे) सजावसुशोपायं महननी सदाहनिहनी ग्रावत्सुगंग
धनो ०० ॥ ३३ ॥ ॥ पूरुयुथु ॥ आ ३ पू ॥ उं निवसेनिकनवीत्रस
वदायाभमभनं विहितजनहितायापुनतूराधिरूटाहिमकरहि
मभुजापक्षवक्रानमोघा विवसुजनहितायासाग्रियं सिद्धिना
क्री ०० ॥ ३४ ॥ ॥ मूलकं ॥ आ ३ पू ॥ उं वदुषी ० कमधैरुदि

यमकिपरावनः । षड्युकात्रसमायकं ग्राकृत्तिकानमास्यहं ०० ॥ ३५ ॥
॥ ॥ कुरुदेवले ॥ आ ३ पू ॥ उं पूरुमीपूर्वमा । प्रहवतिसूत्रनिनदकि । लल
नि (ममी) र्योनादेवीकृजभाकुवनजनहितापमिमायदेवी । द (ममी) तिपुसि
हाप्रहवतिसूत्रनामूलनाम्नायदेवी । म (ममी) हाटकंमीगुरुवतजननी ० पू
त्रमीलेसू ०० ॥ ३६ ॥ ॥ खलकंथि ॥ आ ३ पू ॥ उं इ (ममी) लीकं धावा
यां सर्वमकृकयंकनी । पुसन्तासुजनयं दविउगवतिनमासु ०० ॥ ३७ ॥
॥ इमाकयलया ॥ आ ३ पू ॥ उं वानकुमसमायतां हयाका देव सिद्धिना
यनिहाताकनाघाना ग्राकृत्तिकानमास्यहं ०० ॥ ३८ ॥ ॥ तलेरु ॥ आ ३

घृ ॥ उं न म सु सु महा ना वं ऊ ग ना नि नि का सि के । सर्व सि धि पु द द वि वि क ला
 नि न मो मु त ॥ ३२ ॥ ॥ पू ना दे गु त ले ॥ आ ३ पू ॥ उं ल व क का सि वि क ला
 नि क ला सि सि धि का ला ए रा ग सु ख हा न व न ह न । य कि क्रि द न द कि ले ह न म
 न्न सर्व नृ कृ णि न क नू न म लो व न न ०० ॥ ४० ॥ ॥ दे गु त ले ॥ आ
 २ पू ॥ उं या । ग म्ब रि म हा म य सर्व म न्न स म न्न स । सर्व स य म पी ० कृ तु
 क का सि न मो मु त ०० ॥ ४१ ॥ ॥ म के म्ब नी ॥ आ ३ घृ पू ॥ उं या दे वी न
 व व न्नी जी व क नि ला गी कृ ट व कृ ट या ३ म कि र्णा म व ना त्रि ना नि न य ल
 म का न वी जी ह वी ॥ न कृ णा वृ ष ला म नी ह ग व नी जी व नु या । ग म्ब नी या
 य द ३ प न म म्ब नी वि न न न म्ब दे वि न के म्ब नी खो ला ॥ घृ म न ॥

॥ व सि ला ह ॥ आ ३ घृ पू ॥ उं व नि म सु सु कृ त तु र्ग व र्मा वा सा न दी प के । ग ऊ व
 म्ब न दे व व नु ना थ म न न म ०० ॥ ४३ ॥ ॥ व नि कृ दे गु त ले ॥ आ ३
 घृ पू ॥ उं नृ ड म कि स दा र्श य पी भ ना को र्ति ना र पि । सि धि मा द द तु दे वी श्री क
 र्ति का न मा म्ब ह ०० ॥ ४४ ॥ ॥ श्री श्री म्ब री ॥ आ ३ पू ॥ उं व दे व नि त
 जा न ना स न व र्मा दे वी व सि ह सि ना सो म्ब पा प ह न म हा ह य ह न स सा न
 उं दे गु त ॥ सो र्प पा तु कृ ल म्ब र कृ ल गु नू गी ग कि ना थ मि वा ध म्ब य
 व न म्ब म मो के य दे ग तु र्ग को ना न्म क ०० ॥ ४५ ॥ ॥ गृ ह स श्री
 का

[illegible][illegible]

हादीं अकल्यादिकूलशयं मध्यावेवायननार्थं यंचवृद्धं न भाम्भुतं ०० ॥
 कलंक ॥ उं नमस्तु यनमंदवं सिद्धि मातृ मी श्वरी । सर्ववक्राव (गेष न माननं
 मूदिता लया ०० ॥ ॥ कुमा ॥ उं कार्य कारिनि सर्वेश्वरी । अति ली यनमं भव
 त्रि । लक्ष्मी सक्तु तिसो राग्य दाय सि त्वी नमा म्भुदं ०० ॥ ॥ वीथ ॥ उं वधुं तु
 श्वरी नि ह्यं ति मा ल्य वा स न त्य नो । या ग्य सु दव स हि तं षी यि तं न नमः सै दा
 ०० ॥ ॥ हुनमन ॥ उं हुनं हे त्र वन मम्भु लक्ष्मी वि धुं सि तं सु हा । न क ने रा
 अरु वा न सैन्य रुं उं नमा म्भुतं ०० ॥ ॥ उग्रवधु ॥ उं या सान का म्भु न थ

रायादवी भूल पाणिनी । सिंहा सत स मा त्र टा उ ग्र व लु म भाम्भुतं ०० ॥ ॥ को
 ल्या य ची ॥ उं का ल्या य ची नम स्या मि । दे वी वि रु व नं व व्री स्कन्दे (गं न न नी
 ॥ ॥ पा व ती ला ल ला व नी ०० ॥ ॥ उं वृ नं व व्री ॥ उं सिं हा स नां पी ग व र्ण
 स्वायू धन सु (गं हि तों । उं न् व व नी नम स्या मि । म हा म हि र्व म द नी ०० ॥
 ॥ ॥ स न व व ति ॥ उं अ क र्मा स्या मि कां दे वी उं लो क्यं या नु न कः
 ति । नू दा दि ल्या दि नू प स्का सा मां पा नु स न व व ती ०० ॥ ॥ उं व व व
 लुं सु ल त नू वि नं उं व व व (गं व व्री । नू लु मा ला व नी ली मं म हा का ल

नमाम्यहं ०० ॥ ॥ देवदेवी ॥ संसा न सुखिदलर्थः भिवग कि सुत्र पिथी ॥ सर्व
रुतमरुतं भी देवदेवी नमामु न ०० ॥ ॥ अयं ॥ ॐ धावा धावा नानाधा
वा धावा नानावलं विनी ॥ नित्यं यका स्वव कला गा क कि का नमाम्यहं ०० ॥
॥ ॥ अहं ॥ ॐ उक्ते विष्णु भिवा त्मा रक्षा म कि नूय वाव स्तिता ॥ सं न्या न
य स्व नू पो धा वि म किं ली नमाम्यहं स्वाहा ॥ ॥ डालु य दे गु ॥ ॐ मा
न ग्यात्री महा मायी मान हें न व स्य ता ॥ कल ना र्वा सदा नित्या न
मा हं कल यात्रि नी स्वाहा ॥ ॥ अगम ॥ ॐ - - - - -

॥ ॥ द्वात्र ॥ ॐ देवा पूवादि द्वात्रयः स्तिता नित्यं महावलं ॥ दक्षा धा वायू वा
नृत्वा द्वात्र देवं नमान म ४ स्वाहा ॥ ॥ अहं देवथ नमाल थं क पा र
॥ ॥ एह स श्री ॥ ॐ नमामु नाली क निरा नता ये नमामु द्वाग्धा दु धि
ऊन रु मी ॥ नमामु सा मा मृ न सा द ना ये नमामु ना ना य ल व ल्प ला ये
स्वाहा ॥ ॥ सर्व देव ॥ ॐ उक्ते वां मूल या वि द्वा त्रि म म न य नि र्ह स्त र्ना क
न्द मि न्दू विधि व कि ध न र्ग कल य नि म नि र्ध र्मा मा धा रु णी न्दी

। देवानंदवीनसमस्तानगुरुमूलिपिठ । अभयकनकश्रीगुः यकाः ४ ॥
 लाकवासीसकलपरिवृताम्बुर्वरुर्नमामि स्वाहा ॥ ॥ देमदं ॥ ॥
 सफस्वर्गस्मिताः देवाः सफपातालवासिनः ॥ सफदीपनिवासाः ॥
 नस्थाः रतादधानमः ॥ ॥ देः ॥ ॥ देवतममुख्यंकुलदेवतमानमः ॥
 । स्तानंदवगुरुः सर्वतैस्त्यावेसगर्तनमः ॥ स्वाहा ॥ ॥ निः ॥ देवः
 यासिद्धिकाययानंदः ॥ पातः समाफः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

[illegible]